भारत को जानो प्रतियोगिता का उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम

भारत एक प्राचीन एवं विशाल देश है, जहाँ पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक व सामाजिक विविधताएँ परिलक्षित होती हैं। हज़ारों वर्षों के हमारे गौरवपूर्ण इतिहास में हमारी विभिन्नताओं के साथ-साथ कुछ विदेशी संस्कृतियों ने भी भारत में आश्रय प्राप्त किया। सभी को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता भारतीय संस्कृति में रही है, इसलिए जहाँ अनेक देशों की सभ्यताएं व संस्कृतियाँ विलुप्त हो गईं, हमारे देश की सभ्यता तथा संस्कृति अक्षुण्ण रही है। समय-समय पर विदेशी आक्रान्ताओं द्वारा हमारी सभ्यता तथा संस्कृति पर हमले भी होते रहे हैं। इसका दुष्परिणाम यह हुआ है कि विदेशी शासकों व मिशनरियों के द्वारा इतिहास, हमारी प्राचीन मान्यताएँ, दुर्लभ शास्त्र जिनमें ज्ञान-विज्ञान का खजाना भरा पड़ा था, सभी को विकृत रूप से हमारे विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत किया गया। हमारे शूरवीर राजा-महाराजाओं, विद्वान् ऋषि-मुनियों, वीरांगनाओं, आयुर्वेदाचार्यों, गणितज्ञों, वैज्ञानिकों, दार्शनिकों आदि को विस्मृति के गर्भ में डुबोकर, विकृत रीति-रिवाजों, जादू-टोनों, भिखारियों, कायरों आदि के देश के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे देश का युवावर्ग अपने अतीत पर गर्व करना तो दूर, उसे अभीष्ट प्यार भी न दे सका। भारत को जानो प्रतियोगिता का उद्देश्य इस प्रकार की भ्रान्तियों को मिटाकर वास्तविकताओं से अपने विद्यार्थियों को अवगत कराना एवं अपने देश, संस्कृति, इतिहास, धर्म तथा आधुनिक भारत के सकारात्मक पक्ष की जानकारी प्राप्त करने की जिज्ञासा उत्पन्न करना है जिससे वे अपने देश को प्यार एवं उस पर गर्व कर सकें।

प्रतियोगिता का पाठ्यक्रम :

1. **धर्म एवं संस्कृति :** देवी-देवता, प्राचीन-धार्मिक, वैज्ञानिक, दार्शनिक ग्रंथ, उनके लेखक, प्रसिद्ध आख्यान, ललित कलाएँ, प्रदर्शन कलाएँ तथा सांस्कृतिक परम्पराएँ।
2. **इतिहास :** प्रसिद्ध ऐतिहासिक घटनाएं, राजा-महाराजा, प्रसिद्ध वंश, युद्ध तथा संधियाँ, स्मारक व उपलब्धियाँ।
3. **राजनीति एवं संविधान :** स्वतंत्र भारत के संविधान के विषय में जानकारी, वर्तमान राजनीतिक व व्यवस्था, प्रमुख राजनीतिक घटनाचक्र आदि।
4. **भूगोल व अर्थव्यवस्था :** भारत के प्राकृतिक एवं राजनैतिक भाग, प्रसिद्ध नदियाँ, पर्वत, जलवायु, प्राकृतिक सम्पदा एवं खनिज, प्रसिद्ध नगर एवं अन्य स्थान, उद्योग, व्यापार तथा भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था आदि।
5. **साहित्य :** प्रसिद्ध पुस्तकें एवं उनके लेखक, प्रतिष्ठित व्यक्तियों के कथन।
6. **खेलकूद :** भारत से सम्बन्धित खेल जानकारियाँ, खिलाड़ी एवं उपलब्धियाँ।
7. **विविध :** विभिन्न क्षेत्रों में प्राचीन तथा अर्वाचीन प्रसिद्ध व्यक्ति, सम्मान व पुरस्कार तथा भारत सम्बन्धी अन्य सकारात्मक जानकारियाँ व सूचनाएँ।
8. **सामयिक घटनाचक्र** (Current Affairs)

विशेष-1. प्रतियोगिता में सभी स्तरों पर केवल भारत से सम्बन्धित प्रश्न ही होंगे।

2. इस पुस्तक के अध्याय 10, 14, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 26, 37, 38 एवं 40 **कनिष्ठ वर्ग के लिए लागू नहीं होंगे।** यद्यपि ऐसे विषयों से सम्बन्धित कुछ सामान्य प्रश्न विविध चक्र में हो सकते हैं।

3. सभी स्तरों पर इस पुस्तक में दिए गए प्रश्नों के अतिरिक्त भी प्रश्न हो सकते हैं।

4. **इस पुस्तक में यदि किसी प्रश्न के उत्तर में कोई विसंगति पाई जाती है, तो जो तथ्य वास्तविक रूप से सही होगा, वही मान्य होगा।**

प्रतियोगिता का प्रारूप व नियम

भारत को जानो प्रतियोगिता दो वर्गों, कनिष्ठ वर्ग (कक्षा-6 से 8) तक वरिष्ठ वर्ग (कक्षा-9 से 12) तथा चार स्तरों पर आयोजित होती है।

प्रथम : शाखा स्तर-इस स्तर पर प्रथम चरण में शाखाओं द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में विभिन्न विद्यालयों में अधिकाधिक विद्यार्थियों के मध्य एक लिखित सामान्य ज्ञान परीक्षा आयोजित की जाती है। कनिष्ठ एवं वरिष्ठ दोनों वर्गों के लिए अलग-अलग प्रश्न-पत्रों वाली इस परीक्षा के आधार पर प्रत्येक विद्यालय में दोनों वर्गों में प्रथम व द्वितीय स्थान पर आने वाले दो-दो विद्यार्थियों की एक-एक टीम बनेगी।

शाखा स्तर पर द्वितीय चरण में, शाखा द्वारा जितने विद्यालयों में लिखित परीक्षा कराई गई है, उन सभी विद्यालयों की कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्गों की टीमों के मध्य अलग-अलग क्विज (मौखिक प्रश्नोत्तरी) आयोजित होगी। इस क्विज की विजेता टीमें शाखा की टीम के रूप में प्रान्तीय स्तर पर भागीदारी करेंगी।

द्वितीय : प्रान्त स्तर-शाखा स्तरीय क्विज में चयनित कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग की विभिन्न शाखाओं की टीमों के मध्य प्रान्त द्वारा दोनों वर्गों में अलग-अलग क्विज का आयोजन करके एक-एक टीम चयनित की जाएगी, जो क्षेत्रीय स्तर पर प्रान्त की टीम के रूप में भाग लेगी।

तृतीय : क्षेत्रीय (रीजनल) स्तर-परिषद के 7 क्षेत्रों (रीजन) के स्तर पर अलग-अलग प्रतियोगिता सम्भवतः नवम्बर माह में आयोजित होती है। इस स्तर में भारत को जानो प्रकल्प की केन्द्रीय समिति की देखरेख में, प्रान्तों की चयनित टीमों के मध्य दोनों वर्गों के लिए अलग-अलग क्विज आयोजित की जाती है।

चतुर्थ : राष्ट्रीय स्तर- रीजन (क्षेत्र) स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दोनों वर्गों को 7-7 टीमें राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित भारत को जानो (क्विज) प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

प्रश्न मंच/मौखिक प्रश्नोत्तरी हेतु सामान्य नियम

1. राष्ट्रीय स्तर पर प्रश्न मंच में भागीदारी करने वाली टीमों को, दोनों वर्गों में अलग-अलग सात या आठ के समूहों में बाँटकर, सेमीफाइनल चक्र (त्वनदक) होंगे। शाखा/प्रान्त स्तर पर भी यदि टीमें अधिक हों, तो उन्हें समूहों में बाँटकर सेमीफाइनल चक्र कराने चाहिए। प्रत्येक सेमीफाइनल चक्र के विजेता फाइनल चक्र में शामिल होंगे।

   फाइनल चक्र में चयन हेतु लिखित परीक्षा से बचना चाहिए।

2. प्रतियोगिता के सभी स्तरों पर प्रश्नों के विषय सामान्यतः भारतीय संस्कृति व धर्म, इतिहास, भूगोल व अर्थव्यवस्था, संविधान व राजनीति, खेलकूद, विविध क्षेत्रों में राष्ट्रीय उपलब्धियाँ, महान् व्यक्तित्व, साहित्य व पुरस्कार तथा राष्ट्रीय समसामयिक घटनाक्रम इत्यादि पर आधारित होते हैं।
3. प्रश्न मंच में सामान्य विषयों के चक्र (Rounds) में प्रत्येक टीम को 20 सेकण्ड का समय उत्तर देने के लिए मिलेगा। टीम के दोनों प्रतिभागियों को परस्पर सहमति बनाकर उत्तर देना चाहिए। एक बार दिया गया उत्तर बदलने की अनुमति नहीं होगी। सही उत्तर के लिए 10 अंक तथा गलत उत्तर या उत्तर न देने पर शून्य अंक मिलेगा।
4. यदि कोई टीम मूल प्रश्न का उत्तर गलत दे या न दे सके, तो बजर (यदि उपलब्ध हो) के आधार पर अन्य टीम को मौका मिलेगा। यदि शाखा/प्रान्त स्तर पर बजर उपलब्ध न हो, तो क्रमानुसार अग्रिम टीमों को प्रश्न दिया जाएगा। पास प्रश्न के सही उत्तर पर 5 अंक तथा गलत या उत्तर न देने पर शून्य अंक होगा, किन्तु बजर की स्थिति में गलत या उत्तर न देने पर ऋणात्मक 5 (– 5) अंक मिलेंगे। एक ही प्रश्न के लिए किसी टीम को दूसरा मौका नहीं मिलेगा। समय बचाने के लिए बजर से प्रश्न पास करने को एक या दो मौके तक सीमित किया जा सकता है।
5. बजर आधारित चक्र में भी समय सीमा 20 सेकण्ड तथा सही उत्तर के लिए 10 अंक व पास प्रश्न पर 5 अंक होंगे। गलत उत्तर या उत्तर न देने पर ऋणात्मक 5 (– 5) अंक मिलेंगे।
6. यदि रैपिड फायर चक्र हो, तो उसमें प्रत्येक टीम से 20 सेकण्ड में 5 प्रश्न पूछे जाएंगे। सही उत्तर के लिए 5 अंक व गलत या उत्तर न देने पर शून्य अंक होंगे।
7. यदि दो या अधिक टीमें प्रतियोगिता के अंत में बराबरी (Tie) पर हों, तो रैपिड फायर चक्र या बजर आधारित चक्र से 3 या 5 प्रश्नों से श्रेष्ठ टीम के आधार पर चयन होना चाहिए।
8. उपर्युक्त सभी नियम अनन्तिम (Tentative) हैं। तात्कालिक परिस्थितियों या व्यवस्था के अनुसार नियमों में कोई आवश्यक बदलाव, कोई नया नियम बनाना या हटाना, किसी नए चक्र को शामिल करना आदि आयोजकों/संचालक मण्डल का अधिकार होगा। ऐसे परिवर्तन की सूचना प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के प्रारम्भ में दी जाएगी। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में आयोजकों/संचालक मण्डल/पर्यवेक्षक का निर्णय अन्तिम होगा।